दिनांक 02 सितम्बर, 2015 को पूर्वाह्न 11%30 बजे झारखण्ड अधिविद्य परिषद के सभागार में झारखण्ड अधिविद्य परिषद द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में राज्यपाल महोदया का अभिभाषण

मुझे झारखंड अधिविद्य परिषद द्वारा परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है। इस शुभ अवसर पर परिषद द्वारा आज मेधावी छात्र/छात्राओं को सम्मानित किया जा रहा है। परिषद द्वारा छात्र/छात्राओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रकार के कार्यक्रम सराहनीय है।

मैं इस अवसर पर पुरस्कार पानेवाले छात्र/छात्राओं को बधाई देती हूँ। साथ ही मैं उनके अभिभावकों व शिक्षकों को भी बधाई देना चाहूँगी जिन्होंने उन्हें बेहतर मार्गदर्शन देने का कार्य किया। आज के इस कार्यक्रम में पुरस्कार प्राप्त करनेवालों की सूची में नेतरहाट विद्यालय एवं उर्सूलाइन कॉन्वेंट विद्यालय भी है। मैं दोनों विद्यालय परिवार से जुड़े सदस्यों को बधाई देती हूँ। इस प्रकार के पुरस्कार वितरण समारोह से न केवल पुरस्कार प्राप्त करनेवाले के मनोबल में वृद्धि होती है और भविष्य में अपने प्रदर्शन और बेहतर करने की दिशा में अग्रसर होने के लिए प्रयासरत रहते हैं बल्कि अन्य भी और बेहतर करने की दिशा में प्रेरित होते हैं।

मेरे प्यारे छात्र/छात्राओं, आपको बताना चाहूँगी कि दसवीं और 12वीं की परीक्षा, जिसमें आपने सफलतायें अर्जित

की हैं, यही आपकी जिंदगी की अन्तिम परीक्षा नहीं है। आगे आनेवाले जीवन के हर दिन, हर क्षण परीक्षा होती रहेगी। आज का युग **Excellence** का है। मैं आशा करती हूँ कि आप सभी जिस किसी भी क्षेत्र का चयन करेंगे या आपने कर लिया है, उस क्षेत्र में अपनी लगन व मेहनत एवं समर्पण से **Excellence** अर्जित करने के लिए प्रयासरत रहेंगे। साथ ही अपने कर्मों से परिवार, समाज, राज्य के साथ राष्ट्र का नाम रौशन करेंगे। इस पथ पर आप अनवरत आगे बढ़ें, मेरा आशीर्वाद आपके साथ है।

किसी भी विकसित समाज की स्थापना में शिक्षा सशक्त माध्यम है। शिक्षा प्राप्त करने हेतु कठिन मेहनत व परिश्रम से कभी नहीं भागना चाहिये। शिक्षा से मनुष्य के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास होता है। इसके द्वारा ही क्षमता, संभावनाओं के विकास आदि की दिशा में गंभीरतापूर्वक ध्यान दिया सकता है। शिक्षा लोगों में दायित्व बोध उत्पन्न करने के साथ सही और गलत का भी बोध कराती है। इसके द्वारा हम गरीबी, अज्ञानता, अंधविश्वास जैसी सामाजिक कुरतियों को मिटा सकने की दिशा में सफलतायें अर्जित किया जा सकता है।

मेरे प्यारे बच्चों, आप राष्ट्र के भविष्य एवं कर्णधार हैं। भविष्य की सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक दशायें आप पर ही निर्भर है। इसलिए आप इस समय का सही उपयोग करें। प्रतियोगिता के इस युग में आपको दक्ष होना होगा। राष्ट्र को

और सशक्त बनाने एवं विकसित करने का दायित्व आप पर ही है। खुशी की बात है कि हमारे देश के युवा आज हर क्षेत्र में प्रगति कर रहे हैं। भारत के वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर तथा शिक्षाविद् देश ही नहीं, विदेशों में भी अपने ज्ञान को मानव सेवा में लगा रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यों से पूरी दनिया में अपने ज्ञान का लोहा मनवाया है।

मैं सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ और जैक को इस समारोह के आयोजन के लिए जैक को बधाई देता हूँ।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!